Date
23/05/2020

Subject - Peace Education and Continuous dev.   D.El.Ed.
Topic - Philosophical thinking for peace in India   4th sem

वेदान्त दर्शन एवं शांति

भारतीय दर्शन के मूलाधार चार वेद है - ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, और अथर्ववेद

मान्यता यह भी है कि मूल वेद ऋगवेद है व तीनो वेद इसी से बने है। सबसे प्राचीन ऋग्वेद एवं अन्तिम अथर्ववेद है। वेद के अधिकांश श्लोक देवताओ की स्तुति मे रचे गए थे। यदि मनुष्य को स्वतन्त्र जीवन जीना है तो उसे अपने जीवन मे धर्म तथा शांति को धारण करना होगा।

उपनिषदो मे वर्णित श्लोक के माध्यम से शांति पाठ किया जाता है।

॥ शान्ति पाठ ॥

ॐ द्यौ शान्तिरन्तरिक्ष; शान्ति: पृथ्वी
शान्तिराप: शान्ति: रोषधय: शान्ति:।
वनस्पतय: शान्तिविश्वे देवा:
शान्तिब्रह्मा शान्ति: सर्व शान्ति:
शान्तिरेव शान्ति: सा मा शान्तिरेधि॥
ॐ शान्ति: शान्ति: शान्ति: ॐ

शान्ति पाठ का अर्थ :- शान्ति कीजिए प्रभु त्रिभुवन मे ॥ शान्ति कीजिए।
जल मे थल मे गगन मे, अन्तरिक्ष मे, अग्नि मे पवन मे
औषधि वनस्पति वन उपवन मे, सकल विश्व मे जड चेतन मे ॥
शान्ति कीजिए।
शान्ति राष्ट्रनिर्माण सृजन मे, नगर ग्राम मे और भवन मे
जीवन मात्र के तन मे, मन मे, और जगत के कण कण मे॥
शान्ति कीजिए। ॐ शान्ति शान्ति शान्ति ॐ

Scanned with CamScanner